

5-1-23 पत्रावली पेश हुई। वादीगणकी ओर से कोई अपासक्ति नहीं होने पर बार-बार आवज लगाने से वाक्यरूप वादीगण एवं आर्थिकवक्ता वादीगण अनुपासक्ति रहे। वादीगण एवं आर्थिकवक्ता वादीगण अपने द्वारा प्रस्तुत वाद की उमंगें चलाने से उचित गंभीर नहीं होने के कारण वादीगण का वाद अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। निर्णय आज दिनांक 5-1-23 को सुप्रीम न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली जिसका शुभारंभ होकर गम्बर से कम है एवं प्रविष्ट लेख आठार है।

उप जिला कलक्टर
लखनऊ

